CASE STUDY

अपना स्वास्थ्य, अपनी पहल

ढोढसर पंचायत
गोविन्दगढ ब्लॉक
जयपुर जिला

2017/No. 06

मन के हारे हार है मन के जीते जीत

Knowledge. Voice. Democracy.
PRIA

Azim Premji Philanthropic Initiatives

dasra

महिला सभा का आयोजन करती सुमन शर्मा

जयुपर से 50 किमी, चौमू से 20 किमी और गोविन्दगढ पंचायत समिति से 7 किमी दूर स्थित ढोढसर ग्राम पंचायत में आंगनवाडी में साथिन के पद पर कार्यरत श्रीमति सुमन को देखकर ही अंदाजा लग जाता है कि वो महिलाओं और बच्चों के लिये काम करने में बहुत ही रूचि रखती है। इस काम को अच्छे से करने के लिये उन्हे जरूरत थी स्वंय की जानकारी और समझ बढाने की । वो किसी ऐसे रास्ते की तलाश में थी जिस पर चलकर वो अपनी बात को बहुत सारी महिलाओं तक पहुचा सके और महिलाओं की समस्याओं को ग्राम पंचायत तक। यह मौका और मंच उन्हे दिलाया प्रिया ने। जैसे ही उन्हे यह अवसर मिला उसे उन्होने जाया नही जाने दिया।

एक महिला होने के वावजूद परिवार और काम के बीच में तालमेल बहुत ही बेहतर है। परिवार में सबसे बडी बहू होने की वजह से इनके कंधो पर बहुत ही जिम्मेदारिया है और इन जिम्मेदारियों के वावजूद अलग से कार्य करने के लिये समय निकाल लेना इनकी महिलाओं ओर बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कार्य करने की लगन को बताता है। सुमन जी आसपास की महिलाओं के लिये सीखने का जरिया भी है।

प्रिया से जुडाव

गोविन्दगढ की 45 पंचायतों मे से एक पंचायत ढोढसर में जब प्रिया की तरफ से श्रीमति रेखा कुमावत के आंगनवाडी केन्द्र पर जाने के दौरान ये उनके सम्पर्क में आई। वो अपने इस जुडाव की वजह महिलाओं और बच्चों को बेहतर करने के लिये कार्य करना बताती है। वो कहती है कि अगर महिला को अपने स्वास्थ्य को बेहतर रखना आ जाये और वो अन्य लोगों की तरह अपने बारें में सोचना प्रारम्भ कर दे तो सब कुछ सही हो सकता हैं।
सुमन जी के साथ प्रिया के द्वारा किये गये प्रयास

सुमन को स्वयंसेवक के रूप में प्रिया से जोड़ा।

- ☐ स्वयंसेवकों के लिये आयोजित प्रशिक्षण में उन्हे बुलाकर कार्यक्रम के बारें में जानकारी दी।
- ☐ समय समय पर सुमन जी से मिलकर उनको उत्साहित किया जाता।
- ☐ आने वाली प्रमुख परेशानिया

सुमन जी अपने सामने आने वाली परेशानी के बारें में बताते हुये कहती है कि सबसे बडी यही परेशानी होती है कि आजकल लोग बिना किसी मतलब के अपना काम छोडकर किसी मीटींग या बैठक में नही आना चाहते है और अगर कुछ आना चाहे तो परिवार वाले दस सवाल पूछ लेते है कि क्या मिलेगा, क्या फायदा होगा, आप क्या लोगे हमसे आदि सवालों के जबाब देने पड़ते है।

वो आगे कहती है कि जागरूकता का अभाव ही महिलाओं के पीछे रहने का सबसे बडा कारण है और आज के समय में शहर में तो हालात फिर भी ठीक है पर गावों में हालातों में कुछ ज्यादा सुधार नही हुआ है। पंचायती राज सदस्यों की महिलाओं और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा उपलब्ध कराने में न तो रूचि होती है और न ही उनको सही तरह से प्रशिक्षण दिया जाता है।

महिलाओं को समझाना फिर भी आसान होता है पर उनके घर के पुरूषों को समझाना बहुत कठिन होता हैं पर लगातार बात करने से समझाने से वो मान जाते है। महिला सभा के बारें में न तो कभी किसी ने सुना था और न पहले कभी ग्राम पंचायत में महिला सभा हुई थी। जब सरपंच साहिबा से बात की तो वो भी सहमत नही थी कहने लगी कि ग्राम सभा तो होती है पर महिला सभा का तो कहीं कोई प्रावधान नही है पर फिर समझाने पर मान गई।

सुमन जी से जब यह पूछा गया कि महिला सभा कराने के बाद उन्हे कैसा लग रहा है तो वो हसते हुये जबाब देती है कि अच्छा लग रहा है जो काम मैने अपने कन्धों पर लिया उसे पूरा करा और इतने सारे लोगो के बीच में मेरी भी एक पहचान बनी है। वो आगे कहती है कि आप मुझसे मिलने आये हो इससे ज्यादा और क्या होगा । यही मेरी काम की पहचान है। वो कहती है कि अगली ग्राम सभा होने से पहले एक और महिला सभा कराने का प्रयास है ।

सुमन जी ने अभी भले ही महिला सभा के अलावा कुछ और न किया हो पर यह काम उस स्थिति में बहुत बडा हो जाता है जब वो काम पहले न तो कभी किसी ने किया हो न किसी ने सोचा हो। पंचायती राज सदस्यों को इस महिला सभा के लिये राजी करना ही उनकी बहुत बडी उपलब्धि है।

आने वाली प्राथमिकतायें

जब उनसे आगे आने वाली प्राथमिकताओं के बारे में पूछा गया तो वो कहती है कि आंगनवाड़ी बहुत ही जर्जर अवस्था में है उसे बदलवाना उनकी पहली प्राथमिकता है। जिसके लिये वो सरंपच और अन्य से बात कर इसके लिये प्रयास करेंगी। आगे वो कहती है कि मौहल्ला सभा भी कराने का मन है जिससे उस मौहल्ले की समस्या सामने आये। अपनी प्राथमिकताओं की सूची गिनाते हुये कहती है कि अब मैं टीकाकरण से वचिंत बालकों के परिवार वालो से बात उनका टीकाकरण सुनिश्चित करने के साथ संस्थागत प्रसव, महिलाओं के खान पान को लेकर कार्य करूंगी।

महिला सभा कराने के दौरान स्वयं का अनुभव

महिला सभा को कराने के पीछे के कारण पूछने पर सुमन जी कहती है कि मै यह सोचकर बहुत ही रोमाचिंत हो रही थी कि इतनी महिलाये जब एक साथ होंगी तब माहौल क्या होगा ओर वो किस तरह अपनी बात को पंचायत के सामने रखेंगी। वो आगे कहती है कि मैं यह भी देखना चाहती थी कि महिलायें आज के समय मे कौन कौन सी चुनौतियों का सामना कर रही है और उन पर इनका क्या प्रभाव पड रहा है। एक महिला होने के नाते मै महिला की विवशता को समझ सकती हूं हर महिला का परिवार मेरे परिवार की तरह तो नहीं होता है जहां पर अपने मन की करने की आजादी हो। इसलिये सबसे पहले मैने महिला सभा कराने का निश्चिय किया।

वो अपनी बात को खत्म करते हुये कहती है कि साथिन होने के नाते मै स्वंय भी महिलाओं के साथ बैठक करती रहती थी पर मैने उनके स्वास्थ्य और पोषण को लेकर या इनके अधिकारो को लेकर कभी बात भी नही की थी । साथिन होने के कारण महिलाओ को बुलाना थोडा सा आसान तो था।

प्रिया के साथ जुडने के बाद उनमें आये बदलाव आये के बारें में पूछने पर वो कहती है कि मन तो था ही मेरा इस तरह के काम करने का पर प्रिया ने मेरे अन्दर के आत्मविश्वास और हौसले को मजबूत किया और मेरी समझ ओर जानकारी को भी बढाने का काम किया। वो आगे कहती है कि मै लम्बे समय तक प्रिया के साथ जुड़कर अपनी पहचान एक ऐसी महिला के रूप में बनाना चाहती हू जो हर महिला के लिये हक की लडाई लड़ सके।

सुमन जी के बारें में जानकर एक बात तो साफ हो गई कि अगर इंसान कुछ भी करना चाहे तो करने वाले के लिये कोई बहाना नही होता है। सुमन जी दूसरी महिलाओं के लिये प्रेरणा बन सकती है जो यह कहती है कि वो घर गृहस्थी के कारण कुछ नही कर पाती है पर हां उनके परिवार का सहयोग बहुत ही बडा रोल अदा करेगा। हमें यहां यह बात भी देखनी चाहिये कि सुमन जी ने जो प्रयास किया वो अपनी तरह का पहला प्रयास था जिसके बारें में पंचायत में किसी ने शायद सोचा भी न हो। अगर एक पंचायत में कुछ ही महिलायें इस तरह की सोच और हौसला रखने वाली हो तो वहा इस बात की तो उम्मीद की जा सकती है कि महिलायें अपनी सुविधाओं ओर अधिकारों के लिये लड़ाई लड़ पायेंगी। अगर हम सुमन जैसी महिलाओं को प्रशिक्षित कर उनमें आत्मविश्वास जगा पाये तो यह इन महिलाओं के लिये एक अलख जगाने से कम नही कहा जायेगा। सुमन जी जैसी महिला हर समाज में है, हर शहर मे है, बस जरूरत है तो उन्हे पहचान कर तराशने की।

This case study was written by Subodh Kumar Gupta, Program Officer for PRIA's "Reforming Local Governance For Responsive And Effective Service Deliveries In Selected Blocks Of Rajasthan" Project, in Partnership with Azim Premji Philanthropic Initiatives (APPI) and Dasra.